and supply position in the market, the extent of competition, distances of the market from the production centres, seasonal variations in demand, temporary constraints in supply due to transportation bottlenecks and brand image of cement produced by certain companies. The average retail price was about Rs. 130-135 per bag of 50 kg. cement in 1994-95 and the current average price is about Rs. 140-145. There has been an increase to the extent of about Rs. 20-25 per bag in a few centres like Bombay. This was mainly due to the increased construction activities in the last quarter of the financial year and infrastructure constraints like inadequate availability of rail wagons for transportation of coal and cement. Acute shortage of power in major cement producing States also resulted in higher cost of production and temporary increase in price of cement.

(c) Government has not conducted any study of cost and price of cement recently.

(d) Does not arise.

सरकारी क्षेत्र में पूंजी निवेश में वृद्धि

304. **श्री राम जेठमलानी:**
श्रीमती सुषमा स्वराज:

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में सरकारी क्षेत्र में संचालित औद्योगिक प्रतिष्ठानों में पूंजी-निवेश की मात्रा में गत वर्षों में वृद्धि की गई है;

(ख) यदि हां, तो 1990-91 और 1994-95 के वित्तीय वर्षों के अंत तक पृथक ऐसे कितने औद्योगिक प्रतिष्ठान थे और उनमें कितना पूंजी-निवेश किया गया था;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन प्रतिष्ठानों में से अनेक प्रतिष्ठान घाटे में चल रहे थे; और

(घ) यदि हां, तो 1990-91 और 1994-95 के वित्तीय वर्षों के अंत तक सरकारी क्षेत्र में ऐसे कितने प्रतिष्ठान घाटे में चल रहे थे तथा उनमें कितना पूंजी-निवेश किए था?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सल्वेरा): (क) और (ख) जी हां। 31-3-1991 तक केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के 246 उपक्रमों में 1,13,896 करोड़ रुपए का पूंजीनिवेश किया गया था। केवल 31-3-1994 तक की जानकारी उपलब्ध है और उसके अनुसार केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के 246 उपक्रमों में 1,64,332 करोड़ रुपए का पूंजीनिवेश किया गया था।

(ग) और (घ) जी हां। वित्तीय वर्ष 1990-91 तथा 1993-94 के अंत तक क्रमशः 111 एवं 117 केन्द्रीय सरकारी उपक्रमों ने घाटा उठाया तथा उनमें क्रमशः 42,342 तथा 54,412 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश किया गया था।

Threat to Boycott CBSE Examination by Association of KVS Teachers

305. SHRI RAGHAVJI:
SHRI GOVIND RAM MIRI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Rashriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh (Jagat) have threatened to boycott CBSE Examination beginning from 2nd March, 1996, if thrir demands are not fulfilled by 29th February, 1996;

(b) if so, the details of the demands which the Association has been pressing for acceptance; and

(c) the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE DEPARTMENT OF EDUCATION & DEPARTMENT OF CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPEMNT (KUMARI SELJA): (a) Kendriya Vidyalaya Sengathan has informed that no such notice has been received by them from Rashtriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh (Jagat).

(b) and (c) Do not arise.